दिलीप कुमार, भट्टाचार्य,
मुख्य सचिव।

अर्द्धशासकीय पत्र सं० 2633/ब्यूरो/56/78.
उत्तर प्रदेश शासन
सार्वजनिक उद्यम ब्यूरोअनुभाग
लखनऊः दिनांकः 24 अगस्त, 1978

प्रिय महोदय,

मुझे यह कहने की अपेक्षा की गई है कि शासन ने यह निश्चय किया है कि भारत सरकार में अपनाई गई प्रक्रिया के अनुरूप उत्तर प्रदेश राज्य सरकार में भी यह प्रक्रिया अपनाई जाय कि शासन के विभागीय सचिव अपने विभाग के अधीनस्थ सार्वजनिक उद्योगों/निगमों के प्रबन्ध निदेशकों की त्रैमासिक बैठकों का आयोजन किया करें जिनमें उद्योगों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण विषयों पर विचार किया जाय। उदाहरणतया, उक्त त्रैमासिक बैठकों में निम्नलिखित विषयों/बिन्दुओं पर विचार–विमर्श किया जा सकता है:–

(1) सार्वजनिक उद्योगों के लक्ष्यों को निश्चित करना।
(2) निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार उद्योगों को त्रैमासिक उपलब्धियों (एचीवमेंटस) का मूल्यांकन।
(3) सार्वजनिक उद्योगों की समस्याओं के समाधान हेतु उपाय।
(4) शासन के सम्बन्धित प्रशासनिक विभागों तथा अन्य विभागों में सार्वजनिक उद्योगों से सम्बन्धित मामलों के निस्तारण में शीघ्रता।
(5) अन्य विषय।

2- उपरोक्त त्रैमासिक बैठकों में महानिदेशक, सार्वजनिक उद्योग ब्यूरो, उत्तर प्रदेश, स्थायी आमंत्रित अधिकारी के रूप में बुलाये जायेंगे।

3- इस वर्ष की पहली बैठक 29 अगस्त व 29 सितम्बर, 1978 के बीच में कर ली जाय। अगली बैठकें त्रैमास अक्टूबर से दिसम्बर और जनवरी से मार्च के बीच कर ली जाय। बैठक के बाद एक आख्या सम्बन्धित मंत्री जी को और मुख्य मंत्री जी को सार्वजनिक उद्योग ब्यूरो तथा मुख्य सचिव द्वारा सूचनार्थ एवं आदेशार्थ (यदि कुछ हो) प्रस्तुत किया जाय।

भवदीय,
ह०/दिलीप कुमार भट्टाचार्य।

शासन के समस्त सम्बन्धित सचिव,
(नाम से)

संख्या 2633(1) ब्यूरो/56/78, तद्दिनांक

प्रतिलिपि समस्त सार्वजनिक उद्योगों के अध्यक्ष/प्रबन्ध निदेशकों के सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

आज्ञा से,
ह०/ भक्ति देव मुकर्जी,
उप सचिव।